

| | | |
|-------------------------|--------------------------------|--|
| आदेश की क्र0स0 और तारीख | आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर | पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित |
| 1 | 2 | 3 |

पदाधिकारी चतरपुर के आदेशानुसार चतलतर
 मादव पिता स्व० वृधु मादव के नाम से कामभूषि
 जगा परन्तु अपर शकाहता पलामू के विविध
 वाद सं० XV/09-2008-09 में दिनांक 16-03-16
 को पारित आदेश के आलोक में प्रमाणपत्री-निरस्त
 करते हुए मुल जमा वन्दी में वापस कर दिया गया इस
 प्रकार 0.17६० अमि का वतमान में मांग कि शुग महती
 पिता हाकर मन्दी के नाम पर कामभूषि जगा जगो है
 अतः दोनों पक्षों की अपने अपने काजजात दिखाने
 हेतु नीतिन निजित करे। एवं अमलेश दि 2६-8
 -2017 की शर्त।

अं.प.ल. का.ध.स. १६/८/१७
 हरिहराण

नो. 2400
 2017/8
 17/8/17

अभिलेख उपस्थापित किया। दोनों पक्ष उप
 रिक्त हुए। प्रथम पक्ष हरिहर मादव नी-अभिले
 राल, सूत सं० 106/2016 - चतलतर मादव वनाम
 मादव मादव वंगरह के नाम से - प्रचलन में
 लायित है। शैसी रिचवि में अमलेश कि कर्म
 वाई वन्द सं. जाती है।

अं.प.ल. का.ध.स. 16/8/17
 हरिहराण

[Faint, mostly illegible text at the bottom of the page, possibly bleed-through or additional notes.]